[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 10192 **L**

Unique Paper Code : 2132203602

Name of the Paper : Indian Aesthetics

Name of the Course : **B.A. (Prog.) with Sanskrit**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates: /छात्रों के लिए निर्देश:

1. इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए ।
   Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए
   Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.
3. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
   Attempt any **five** questions. All questions carry equal marks.

1. सौन्दर्य की परिभाषा, इसके उद्देश, प्रकृति और घटक तत्त्वों पर एक निबन्ध लिखिए।
   Write an essay on the definition of beauty, its objectives, nature and components.

2. सौन्दर्य के विविध पर्यायपदों के महत्त्व को विस्तार से लिखिए।
   Write in detail the importance of various synonyms of beauty.

3. भरतमुनि के अनुसार रस की संख्या कितनी है? किन्हीं तीन रसों पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए ।
   How many Rasas are there according to Bharatamuni? Write detailed note on any three of them.

4. साहित्यदर्पण के अनुसार रस की प्रकृति का वर्णन कीजिए ।
   Describe the nature of Rasa according to Sahityadarpan.

5. वास्तुकला, चित्रकला और संगीत सौंदर्या की अभिव्यक्ति की विधाएं हैं - कथन की समीक्षा कीजिए।
   Architecture, Painting and Music are modes of expression of beauty – Critically examine the statement.

P.T.O.

6. संस्कृत काव्यशास्त्र में भरतमुनि और मम्मट के अवदानों को लिखिए।
Write the contributions made by Bharatamuni and Mammat in the Sanskrit poetics.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:
Write short note on any **two** of the following:
अनुभाव, क्षेमेन्द्र, भामह, चित्त की विकासावस्था।
Anubhav, Kshemendra, Bhamaha, Cheerfulness of chitta (Mind)